www.sgbauonline.com

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :—

(1) 'गोदान' भारतीय कृषकों की करूण गाथा प्रस्तुत करता है। सिद्ध कीजिए।

(2) 'रंगभूमि' में सूरदास ने औद्योगीकरण के विरूद्ध संघर्ष कर युगचेतना को मूर्त रूप दिया है। युक्तियुक्त उत्तर दीजिए।

(3) ''निर्मला अनमेल विवाह और दहेज की विडंबना चित्रित करनेवाली करूण कथा है।'' स्पष्ट कीजिए।

(4) 'कर्मभूमि' के आधार पर अमरकांत का चरित्र – चित्रण कीजिए। 30

3. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर लगभग **10 – 15** पंक्तियों में लिखिए :—

(1) 'बडे घर की बेटी' कहानी वर्तमान विभक्त होते परिवारों को जोडने का एक अन्यतम उदाहरण है। यह प्रमाणित कीजिए।

(2) 'सद्गति' कहानी का मर्म स्पष्ट कीजिए।

(3) कहानी कला संबंधि प्रेमचंद के विचार स्पष्ट कीजिए।

(4) 'ईदगाह में बालमनोविज्ञान अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँचा है।' सिद्ध कीजिए।

(5) साहित्य और मनोविज्ञान के संबंधों पर प्रकाश डालिए।

(6) 'पूस की रात' कृषक के शोषण को चित्रित करती हैं। – समझाइए।

AQ – 184

M. A. (Part–I) Examination

HINDI

Paper – IV

(वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

प्रेमचन्द

(A) Vishesh Adhyayan (Premchand)

P. Pages : 6

समय : तीन घण्टे] [पूर्णांक : 100

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ–सहित व्याख्या कीजिए :—

(1) संसार में किसी काम का अच्छा या बुरा होना उसकी सफलता पर निर्भर है। एक व्यक्ति राजसत्ता का विरोध करता है। यदि अधिकारियों ने उसका दमन कर दिया, तो वह राजद्रोही कहा जाता है, और प्राणदंड पाता है। यदि उसका उद्देश्य पूरा हो गया, तो वह अपनी जाति का उद्धारकर्ता और विजयी समझा जाता है, उसके स्मारक बनाये जाते है। सफलता में दोषों को मिटाने की विलक्षण शक्ति है।

अथवा

अब आपको विदित हुआ होगा कि हम क्यों संपत्तिशाली पुरूषों पर भरोसा नहीं करते। वे तो अपनी संपत्ति का गुलाम हैं। वे कभी सत्य के समर में नहीं आ सकते। जो सिपाही सोने का ईंट गर्दन में बाँधकर लडने चले, वह कभी नहीं लड सकता। उसको तो

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

अपने ईंट का चिंता लगा रहेगा। जब तक हम लोग ममता का परित्याग नहीं करेगा, हमारा उद्देश्य कभी पूरा नहीं होगा। अभी तक हमको कुछ भ्रम था, पर वह भी मिट गया कि संपत्तिशाली मनुष्य हमारा मदद करने के बदले उल्टा हमको नुकसान पहुँचायेगा। पहले आप निराशावादी था, अब आप संपत्तिवादी हो गया।

(2) उसका बस चलता तो आज धनवानों का अन्त कर देता, जो संसार को नरक बनाये हुए है। वह बोझ उठाकर दिखाना चाहता था, मैं मजूरी करके निबाह करना इससे कहीं अच्छा समझता हूँ कि हराम की कमाई खाऊँ। तुम सब मोटी तोंदवाले हरामखोर हो पक्के हरामखोर हो। तुम मुझे नीच समझते हो! इसलिए कि मैं अपनी पीठ पर बोझ लादे हुए हूँ। क्या यह बोझ तुम्हारी अनीति और अधर्म के बोझ से ज्यादा लज्जास्पद है, जो तुम अपने सिर पर लादे फिरते हो और शर्माते जरा भी नहीं ? उल्टे और घमण्ड करते हो ?

अथवा

मेरी हालत उस कँगले की–सी हो रही थी; जो ख़ज़ाना पाकर बौखला गया हो कि अपनी झोपडी में उसे कहाँ रखे, कैसे उसकी हिफ़ाज़त करे। उनकी यह मंशा समझकर मेरे दिल का बोझ हलका हो गया। देवता तो पूजा करने की चीज है वह हमारे घर में आ जाये, तो उसे कहाँ बैठायें, कहाँ सुलायें, क्या खिलायें। मन्दिर में जाकर हम एक छन के लिए कितने दीनदार, कितने परहेज़गार बन जाते हैं। हमारे घर में आकर

यदि देवता हमारा असली रूप देखे, तो शायद हमसे नफरत करने लगे।

(3) स्वेच्छा अगर अपना स्वार्थ छोड़ दे, तो अपवाद हैं। मैं खुद सद्भावना करते हुए भी स्वार्थ नहीं छोड़ सकता और चाहता हूँ कि हमारे वर्ग को शासन और नीति के बल से अपना स्वार्थ छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया जाए। इसे आप कायरता कहेंगे, मैं इसे विवशता कहता हूँ। मैं इसे स्वीकार करता हूँ कि किसी को भी दूसरे के श्रम पर मोटे होने का अधिकार नहीं हैं। उपजीवी होना घोर लज्जा की बात है। कर्म करना प्राणिमात्र का धर्म है। समाज की ऐसी व्यवस्था, जिसमें कुछ लोग मौज करें और अधिक लोग पिसें और खपें, कभी सुखद नहीं हो सकती।

अथवा

नेकी न करना बदनामी की बात नहीं। अपनी इच्छा नहीं हैं, या सामर्थ्य नहीं हैं, इसके लिए कोई हमें बुरा नहीं कह सकता। मगर जब हम नेकी करके उसका एहसान जताने लगते हैं, तो वही जिसके साथ हमने नेकी की थी, हमारा शत्रु हो जाता है, और हमारे एहसान को मिटा देना चाहता है। वहीं नेकी अगर करनेवालों के दिल में रहे, तो नेकी हैं, बाहर निकल आए तो बदी हैं। 30

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(9) मजूरी में सुख से एक रोटी खाने को तो मिलेगी। किसी की धौंस तो न रहेगी। अच्छी खेती है।
(प्रस्तुत कथन किस कहानी का है ?)

(10) डॉ. शान्तिकुमार ने डॉक्टर की उपाधि कहाँ से प्राप्त की थी ? (आक्सफर्ड, कॉम्ब्रिज, इग्लैंड)

(11) वाजिद अली शाह का उल्लेख किस कहानी में हुआ है ?

(12) निर्मला की पुत्री का नाम लिखिए।

(13) मुरादाबाद स्टेशन पर ईश्वरी का सामान लेने कितने बेगार आए थे ? (चार, पाँच, छह)

(14) बजरंगी और जमुनी के बेटे का नाम लिखिए।

(15) जुम्मन शेख की पत्नी का नाम —— था।

(16) सौ को दुबला करके तब एक मोटा होता है। ऐसे मोटेपन में क्या सुख ?
(प्रस्तुत कथन किसका एवं किस कृति से है।)

(17) घीसू दूकान से कितनी पूरियाँ मंगवाता है ?
(दो सेर, तीन सेर, एक सेर)

(18) 'साहित्य का उद्देश्य' निबंध संग्रह में भारतेन्दु बाबु हरिश्चंद्र निबंध संग्रहीत है। (सत्य/असत्य)

(19) दुखी - पंडितजी के यहाँ कौन-कौनसे कार्य करता है ? (किन्हीं दो के नाम लिखिए।)

(20) ठाकुर के कुअें पर रात को पानी भरने हेतु कितनी स्त्रियाँ आते हुए गंगी को दिखाई देती है ? 20

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(7) कौमी भाषाविषयक प्रेमचंद के विचार लिखिए।

(8) 'सवा सेर गेहूं' कहानी का शंकर एक धर्मभीरू किसान है। सकारण स्पष्ट कीजिए।

(9) जीवन में साहित्य का क्या महत्व है ? विशद कीजिए।

(10) 'दो बैलों की कथा' में मूक संवेदनाओं का मर्मस्पर्शी चित्रण हुआ है। सिद्ध कीजिए। 20

4. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशानुसार लिखिए :—

(1) आनंदी को कितनी बहने थी ?

(2) 'ईदगाह' कहानी में —— के पिता उसे केले लेकर देते है ? (रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए)

(3) 'कर्मभूमि' की लेडी डॉक्टर का नाम लिखिए।

(4) 'क्रिया के पश्चात् प्रतिक्रिया नैसर्गिक नियम है'। किस कहानी का उदाहरण है ?

(5) सूरदास की प्रतिमा को किसनें प्रतिष्ठापित किया था ? (जॉन सेवक, रानी जान्हवी, विनय)

(6) गधे का छोटा भाई किसे कहा गया है ?

(7) 'भाषा साधन है, साध्य नहीं' यह कथन किस निबंध का है ?

(8) वकील श्यामबिहारी तंखा वकालत न चलने के कारण एक —— कम्पनी की दलाली करते है।
(शक्कर, बीमा, सिगरेट)

www.sgbauonline.com